*प्रेस विज्ञप्ति*

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## डिजाइन इन्नोवेशन सेंटर द्वारा दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पंतनगर। 28 सितम्बर 2025। विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय के मिनिस्ट्री आफ इन्नोवेशन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट डिजाइन इन्नोवेशन सेंटर (डीआईसी) एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'डिजाइन थिंकिंग फॉर इन्नोवेशन' पर विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। डिजाइन थिंकिंग एक ऐसी पद्धति है जो उपभोगकर्ताओं की जरूरतों को गहराई से समझकर समस्याओं का समाधान खोजने पर केंद्रित है। इसमें केवल उत्पादों या सेवाओं का डिजाइन पर ही दबाव नहीं दिया जाता बल्कि यह समस्याओं को देखने और समझने का एक संपूर्ण तरीका है। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को जटिल समस्याओं की रचनात्मक और प्रभावी ढ़ंग से हल करने के लिए एक मानव केंद्रित दृष्टिकोण से परिचित कराना था। कार्यशाला में एसीआईसी देवभूमि फाउंडेशन के सीईओ डा. कमल रावत एवं इन्कयूवेशन मैनेजर डा. वात्सल्य शर्मा ने विशेषज्ञ के रूप में छात्रों को डिजाइन थिंकिंग के द्वारा नए उत्पाद विकसित करना एवं उनको व्यवसाय का रूप देने के विभिन्न आयामों के बारे में मॉडल प्रतियोगिता के रूप में समझाएं। कार्यशाला की कार्यकारी समिति के कोआर्डिनेटर डा. पी.सी. गोप, डीआईसी द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं पहाड़ी क्षत्रों हेतु विकसित किये जा रहें प्रोजक्टों के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया एवं सचिव डा. नीरज बिष्ट ने मंच का संचालन किया एवं कार्यशाला के उद्देश्यों से अवगत करवाया। कार्यवाहक अधिष्ठाता, प्रौद्योगिक महाविद्यालय एवं विभागाध्यक्ष डा. लोकेश वार्ष्णेय द्वारा 'डिजाइन थिंकिंग फोर इन्नोवेशन' पर आयोजित किये जाने वाली कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला एवं विभिन्न क्षत्रों में बदलते हुए परिप्रेक्ष्य में नई परिस्थितियों के आधार पर नये डिजाइन पर अनुसंधान किये जाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि डिजाइन के क्षेत्र में प्रारम्भिक असफलता होने पर निराश न होने तथा उसे सफलता की सीढ़ी माना जाना चाहिए। उनके द्वारा आर्गनाइजिंग कमेटी की सराहना की एवं उन्हे बधाई दी एवं भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह में अधिष्ठाता, प्रौद्योगिक महाविद्यालय डा. एस.एस. गुप्ता मुख्य अतिथि रहें। उन्होने कार्यशाला में छात्रों द्वारा विकसित मॉडल्स की सराहना की एवं उनके द्वारा पुरस्कार वितरित किए एवं आशा व्यक्त की भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे। समारोह में यांत्रिक अभियंत्रण एवं इंडस्ट्रीयल एवं प्रोडक्शन इंजीनियरिंग के छात्र एवं शिक्षक उपस्थित रहे।